Inspira- Journal of Modern Management & Entrepreneurship (JMME)
ISSN : 2231–167X, GIF: 2.7282, CIF: 5.647, Volume 09, No. 04, October, 2019, pp. 317-320

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी की कार्यशील पूंजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन

कु. जयश्री मालवीया*
डॉ. एस. बी. गोस्वामी**

सार

किसी भी वित्तीय संस्था, कंपनी या सरकारी एवं अर्थ सरकारी संस्थाओं एवं गैर–सरकारी संस्थाओं को अपनी वित्तीय स्थिति की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रत्येक वर्ष के अंत में लाभ–हानि खाते एवं स्थिति विवरणों को तैयार करना आवश्यक समझा जाता है परंतु यह ज्ञात करना कि संस्थाओं द्वारा अल्प अवधि में प्रयोग होने वाली संपत्तियों की वास्तविक स्थिति क्या है एवं अल्प अवधि में भुगतान करने वाले दायित्व कौन–कौन से हैं एवं इनका संस्थाओं की वित्तीय स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए उपरोक्त सभी वित्तीय संस्थाओं को कार्यशील पूंजी प्रणाली का सहयोग लेना आवश्यक होता है अर्थात कार्यशील पूंजी के अंतर्गत संस्थाओं की अल्पकालीन संपत्तियों एवं अल्पकालीन दायित्वों (चालू सम्पत्ति एवं चालू दायित्वों) का अध्ययन किया जाता है। इन्हीं तथ्यों को आधार मानते हुए शोधार्थी द्वारा भी अपने शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी की कार्यशील पूंजी का अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना

आर्थिक विकास की प्रक्रिया में राष्ट्रो की संपन्नता, औद्योगिक सुदृढ़ता के साथ–साथ प्राकृतिक संसाधनों पर भी निर्भर है। आज के औद्योगिक युग में इन खनिज संसाधनों की उपयोगिता इतनी अधिक बढ़ गई है कि कोई भी राष्ट्र इसके बिना जीवित नही रह सकता हैं। भारत खनिज संसाधनो की दृष्टि से धनी राष्ट्र है। भारत के प्रमुख खनिज संसाधनों में कोयला, लौह अयस्क, मैंग्नीज अयस्क, मीका बॉक्साइट शामिल हैं। हमारे शोध का विषय हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी है जो कि एल्युमीनियम एवं कॉपर जैसी धातुओ से निर्मित उत्पादों का निर्माण करती है। कंपनी उत्पादों का निर्माण करने हेतु बॉक्साइट अयस्क, अयस्क एवं कॉपर इत्यादि खनिजों का खनन बहुतायत मात्रा में करती है।

हिंडाल्को कंपनी की स्थापना 15 दिसंबर 1958 में मुबंई में की गई तथा यह स्थापना एल्युमीनियम के उत्पादो के निर्माण के लिए की गई । हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी भारत की सबसे बड़ी एल्युमीनियम निर्माण की कंपनी है। जो कि 13 देशों में 51इकाइयो को संचालित कर रही है। हिंडाल्कों कंपनी वैश्विक स्तर पर बड़ी पाँच एल्युमीनियम कंपनियों में शीर्ष स्थान प्राप्त किए हुए है।

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड

प्रकार	**निजी**
उद्योग	धातु
स्थापना	1962
मुख्य ऑफिस	मुंबई, भारत
चेयरमैन	कुमार मंगलम बिरला

* अतिथी विद्वान, वाणिज्य, महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश।
** प्राध्यापक, वाणिज्य, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश।

उत्पाद	एल्युमीनियम तथा ताँबा
राजस्व	US $ 18.31 बिलियन
कर्मचारी	13,675
ज्ञाता	आदित्य बिरला ग्रुप
वेबसाईट	www.hindalco.com

हिंडाल्को कंपनी का मुख्यालय मुंबई में स्थित है जहाँ हिंडाल्को कंपनी के अध्ययन तथा विभिन्न विभागों के निदेशक एवं समूह महाप्रबंधक सुचारू रूप से भारत में स्थापित इकाइयों के साथ–साथ अन्य इकाईयों का संचालन करते हैं।

शोध का उद्देश्य

- हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी की कार्यशील पूँजी की स्थिति का अध्ययन करना।
- हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी में कार्यशील पूँजी के महत्व को दर्शाना।
- कार्यशील पूँजी के स्त्रोत का अध्ययन करना ।

परिकल्पना

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी की कार्यशील पूँजी में कोई सार्थक अंतर नहीं हैं।

शोध विषय अध्ययन की प्रविधि

शोध समस्या के अध्ययन हेतु उचित समंको का चयन एवं संकलन किया है । शोध अध्ययन में प्रमुखतः द्वितीयक समंको के माध्यम से निष्कर्ष निकालने का प्रयास किया जावेगा। समंको की सार्थकता के लिए सांख्यिकीय तकनीको का भी उपयोग किया गया है। माध्य, सहसंबंध, प्रमाप विचलन, प्रमाप विचलन का विचरण गुणांक इत्यादि का प्रयोग किया गया है, जो कि समंको की सार्थकता एवं असार्थकता का अध्ययन करता है।

हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी की कार्यशील पूंजी का विश्लेषणात्मक अध्ययन

व्यावसायिक जगत में कार्यशील पूँजी का अर्थ लेखापालों, वित्तीय प्रबंधको, व्यावसायियों तथा अर्थशास्त्रियों सभी ने अलग–अलग रूप में बताया है। कुछ ने कार्यशील पूँजी को चालू संपत्तियों का योग बताया है जबकि कुछ व्यक्तियों ने चालू दायित्वों पर चालू संपत्तियों के आधिक्य को कार्यशील पूँजी बताया है।वहीं कुछ व्यक्ति कार्यशील पूँजी शब्द के स्थान पर चक्रीय पूँजी शब्द का प्रयोग अधिक उपयुक्त समझते है।

कार्यशील पूँजी के स्रोत

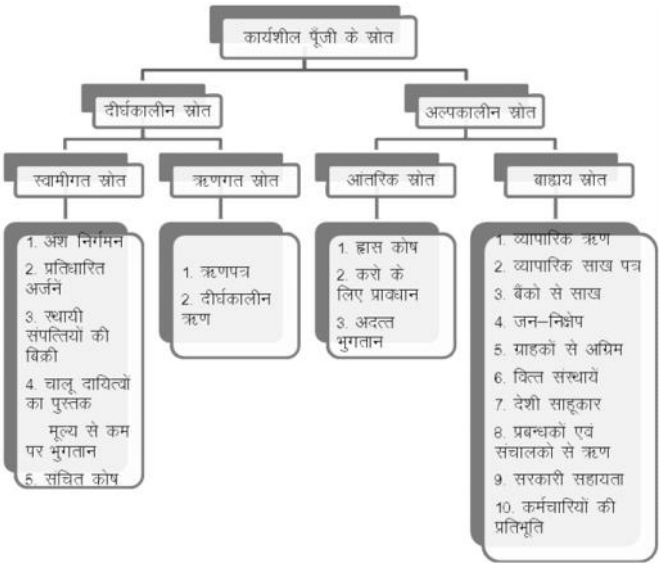

कार्यशील पूँजी के क्रियाशील अनुपात का अध्ययन

कार्यशील पूँजी अनुपात दर्शाता है कि कार्यशील पूँजी का उपयोग कितनी कुशलता से किया गया है ।

चल संपत्तियों का चल दायित्वों से आधिक्य ही कार्यशील पूँजी कहलाता है। इसे ज्ञात करने हेतु प्रयुक्त सूत्र निम्न प्रकार है :–

$$\text{कार्यशील पूँजी अनुपात} = \frac{\text{बिक्री की लागत}}{\text{औसत कार्यशील पूँजी}}$$

औसत कार्यशील पूँजी = प्रारंभिक कार्यशील पूँजी + अंतिम कार्यशील पूँजी / 2

सारणी 1: कार्यशील पूँजी अनुपात का विश्लेषणात्मक अध्ययन

(रू. करोड़ मे)

वर्ष	बिक्री की लागत	औसत कार्यशील पूँजी	अनुपात
2013-14	25359.05	9891.685	2.56
2014-15	31108.51	9603.29	3.24
2015-16	30999.5	10818.44	2.87
2016-17	32123.09	6482.75	4.96
2017-18	37673.98	10086.02	3.74
माध्य (Mean)	31452.83	9376.43	3.47
औसत विकास दर (AGR)	9.7125	0.3929	9.14
प्रमाप विचलन (SD)	4376.36	1678.80	0.94
गुणांक का परिवर्तन (CV)	13.914	17.904	27.01
सहसंबंध Correlation	-0.048		

स्रोतः हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड कम्पनी के वार्षिक प्रतिवेदन 2013–14 से 2017–18

आरेख 2: कार्यशील पूँजी अनुपात

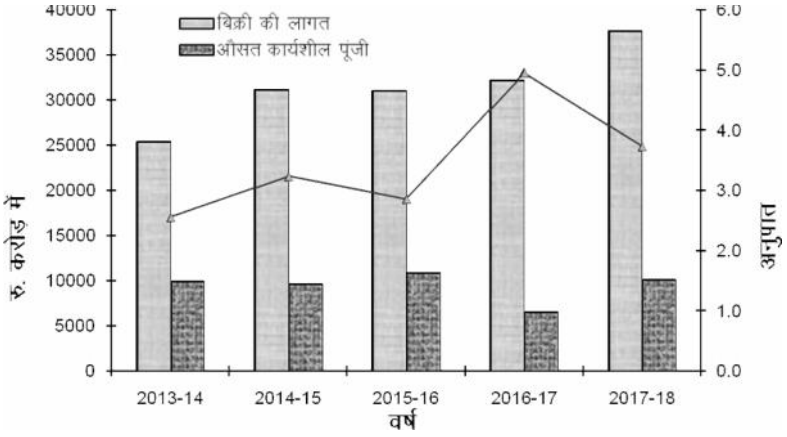

निष्कर्ष

समंकों के संख्यिकी विश्लेषण द्वारा यह विदित होता है कि बिक्री की लागत का माध्य 31452.83, औसत कार्यशील पूँजी का माध्य 9376.43 और कार्यशील पूँजी अनुपात का माध्य 3.47 है। औसत विकास की दर बिक्री की लागत की 9.7125, औसत कार्यशील पूँजी की 0.3929 व कार्यशील पूँजी आवर्त अनुपात की 9.14 है। प्रमाप विचलन बिक्री की लागत का 4376.36 औसत कार्यशील पूँजी का 1678.80 व अनुपात का 0.94 है, जिनका विचरण गुणांक क्रमशः 13.914, 17.904 व 27.01 है। जिनका सहसंबंध –0.048 है।

संदर्भ गन्थ सूची

~ अग्रवाल एण्ड अग्रवाल , ''प्रबंधकीय लेखांकन,'' रमेश बुक डिपो, जयपुर, 1997।

~ अग्रवाल एम.डी., ''वित्तीय प्रबंध,'' रमेश बुक डिपो, जयपुर, 1997।

~ कुलश्रेष्ठ, डॉ. आर. एस. ''वित्तीय प्रबंध '', साहित्य भवन प्रकाशन, 1996।

~ त्रिवेदी डॉ. आर. एन. ''रिसर्च मैथ्डोलॉजी, '' कॉलेज बुक डिपो, जयपुर 2001।

~ पाण्डे आय. एम. ''वित्तीय प्रबंध'' विकास पब्लिशिंग हाउस प्रायवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 1999।

~ Gupta Dr. S.P. "Statistical methods" Sultan Chand & Sons, Educational Publishers, New Delhi.

~ www. hindalco. com.

♦❐♦